

कवबचघधखरसऋऌगानमभः
पफषणायथएऐतलललृलृजञउऊ
हटठढदडडःशक्षशइझईज्ञछअआ
ऽपंपॅपँपेपेंपैंपैपैंपीपीपींपिपी।
१पापपुपूपृपृपृपृपृपृपृपेपैपोपौ
२०१२३४५६७८९३ॐ॥

क्रखग्रघङ्चछजझञट्ठड्ढणत्रथ
 दधनप्रफबभ्रमग्रल्ळ्वश्रप्रसहक्ष
 झहुहृह रुरुदुदूदृत्तड्यछ्यट्टुट्यठु
 ठ्यड्डुड्यडूड्यतद्धदद्वदद्वद्वद्वद्वद्व
 घ व्यश्चश्चश्चश्चष्टष्टष्ठष्ठल्लल्लल्लल्लल्ल
 ह्रस्व क्रखगाजङ्गफयट्टुड्डु

क्यख्याग्यघ्यङ्यच्यछ्यज्य
 झ्यज्यट्यठ्यङ्यढ्यण्यत्य
 थ्यद्यध्यन्यप्यफ्यब्यभ्यम्य
 य्ययत्यळ्यव्यश्यष्यस्यह्य
 क्ष्यझ्यक्र्यख्यग्र्यघ्र्य_ य_ य
 च्र्य_ यज्यझ्यञ्यट्यठ्यड्य
 ढ्यण्यत्र्यथ्र्यद्र्यध्र्यन्र्यप्र्यप्र्य

ब्रभ्राम्रम्रय्रयल्ल्यळ्यव्रश्र्य

प्रस्रह्रयक्ष्यइय

पिपिपिपिपिपिपिपिपिपि

पिपपपि

पिपपिपप_पीपी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने क्षेत्र में शांति व स्थिरता के लिए साझा आपदा परबंधन की वकालत की है। इसके साथ ही गुलाम कश्मीर में बाढ़ पीड़ितों को मदद की पेशकश के लिए अपने भारतीय समकक्ष को धन्यवाद दिया है। मोदी के पत्र के जवाब में शरीफ ने लिखा है, 'पाकिस्तान में बाढ़ से प्रभावित नागरिकों के प्रति आपकी सहानुभूति को मैं कृतज्ञतापूर्वक स्वीकार करता हूँ। विपत्ति की इस घड़ी में एकता की यह भावना वास्तव में महत्वपूर्ण है।' इसके साथ ही शरीफ ने कहा, 'मैं समझता हूँ कि आपदा परबंधन में निकट सहयोग को क्षेत्र की शांति और विकास के एजेंडे में शामिल किया जाना चाहिए। इससे पहले रविवार को भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि अगर पाकिस्तान सरकार चाहे तो संकट की इस घड़ी में भारत गुलाम कश्मीर के बाढ़ पीड़ितों की हरसंभव मदद के लिए तैयार है। उन्होंने बाद में इस बारे में एक औपचारिक पत्र भी प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को भेजा था। संयुक्त राष्ट्र ने की मदद की पेशकशसंयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र ने जम्मू-कश्मीर के साथ ही गुलाम कश्मीर में बाढ़ से आई तबाही से निपटने में भारत व पाकिस्तान को मदद की पेशकश की है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव बान की मून के पर्वक्ता ने सोमवार को बताया कि नई दिल्ली में हमारे अधिकारी भारत सरकार के साथ संपर्क बनाए हुए हैं। हाफिज सईद ने भारत पर दोष मढ़ा:लाहौर। आतंकी सरगना हाफिज सईद ने एक बार फिर भारत के खिलाफ जहर उगलने के साथ डींग हांकी है। उसने भारत पर बिना सूचना नदियों में पानी छोड़ने व गलत जानकारी देने का आरोप लगाते हुए कहा है कि यह जानबूझकर की गई शरारत है। उसके मुताबिक अगर लद्दाख में बांध की परियोजना पूरी हो गई तो इस्लामाबाद भी महफूज नहीं रह जाएगा। भारत का यह जल आतंकवाद नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम के उल्लंघन से भी घातक है। इस आतंकी सरगना ने ट्वीट करके यह भी कहा कि मोदी कश्मीरियों की मदद कर पाने में नाकाम हैं। जमात उद दावा कश्मीर और पूरे भारत में मुसीबत से घिरे लोगों की मदद को तैयार हैं। नई दिल्ली। विमानन नियामक डीजीसीए ने अनिवार्य अद्वर्वाषिर्क परीक्षाएं नहीं देने वाले जेट एयरवेज के 140 पायलटों के लाइसेंस निलंबित करने की चेतावनी दी है। नियामक ने पायलटों के परशिक्षण कार्यक्रम के किर्यान्वयन पर सवाल उठाते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। यह नोटिस एयरलाइन के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर (सीओओ), ट्रेनिंग चीफ व पायलटों को जारी किए गए हैं। एयरलाइन के परशिक्षण कार्यक्रम का ऑडिट करने वाली डीजीसीए की तीन सदस्यीय टीम की रिपोर्ट के आधार पर यह कदम उठाया गया है। नियामक ने नोटिस में पूछा है कि पायलट कुशलता जांच (पीपीसी) टेस्ट पास किए बिना उड़ानें संचालित कर रहे पायलटों के लाइसेंस क्यों न निलंबित किए जाएं। यह टेस्ट हर छह में कराए जाते हैं। पिछले माह बर्सेल्स-मुंबई रूट पर जेट एयरवेज का एक विमान तुकीर् की हवाई सीमा में अचानक हजारों फुट नीचे फिसल जाने की घटना के बाद डीजीसीए ने यह ऑडिट शुरू कराया था। जेट एयरवेज के पर्वक्ता ने इस मसले पर कहा कि अभी उन्हें नियामक की ऑडिट रिपोर्ट नहीं मिली है और न ही यह बताया गया है कि यह रिपोर्ट कब दी जाएगी। हम मीडिया की अटकलों के आधार पर रिपोर्ट के निष्कर्ष को लेकर टिप्पणी नहीं कर सकते। हमारा मानना है कि

हमारा परशिक्षण कार्यक्रम डीजीसीए और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के मानकों पर खरा है। शिक्षा परतियोगिता में किए गए पर्यास फलीभूत होंगे। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। धन लाभ होगा।मेष राशि के लिए अपने मोबाइल के मैसेज बॉक्स में लिखें IARI और एसएमएस करें 57272 पर। पर्वक्ता ने कहा कि यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा हमारे लिए सवोर्परि है। यदि कोई मसला है तो हम उसे सुलझाने के लिए नियामक के साथ सहयोग का पूरा पर्यास करेंगे। जेट एयरवेज के अधिकारियों ने कहा कि वे इस मसले को लेकर डीजीसीए के साथ जल्दी ही बैठक की तैयारी कर रहे हैं। डीजीसीए ने जेट एयरवेज को तीन पायलटों को उड़ानों का संचालन नहीं करने देने को कहा है। इन पायलटों के परशिक्षण में कमियां पाई गई हैं। नियामक ने एयरलाइन के कुछ ट्रेनसर पर भी कार्रवाई का निर्देश दिया है। इनकी परशिक्षण देने की क्षमता पर सवाल उठाए गए हैं। जेट एयरवेज में कुल 600 पायलट नियुक्त हैं। AAP ने बीजेपी पर लगाया 4 करोड़ रुपये में MLA खरीदने का आरोप, जारी किया वीडियो। दिल्ली में नई सरकार की हलचल के बीच अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी ने बीजेपी पर खरीद फरोख्त का आरोप लगाया है। 'आप' ने एक सिटिंग ऑपरेशन पेश कर कहा है कि उसके विधायक दिनेश मोहनिया को 4 करोड़ रुपये का ऑफर दिया गया है। बीजेपी ने आप के आरोपों का खंडन करते हुए कहा है कि वीडियो की प्रामाणिकता की जांच होगी। आप के नेताओं ने सोमवार को परेस कॉन्फ्रेंस में बीजेपी के खिलाफ विधायक खरीद-फरोख्त का सिटिंग ऑपरेशन दिखाया। आप नेता मनीष सिसौदिया का आरोप है कि बीजेपी शेर सिंह डागर ने संगम विहार से आप विधायक दिनेश मोहनिया को 4 करोड़ रुपये में खरीदने की कोशिश की है। उन्होंने कहा, 'बीजेपी ने हमारे कई विधायकों से संपर्क किया और उन्हें लालच देकर खरीदने की कोशिश की। लोग जानते हैं कि लोकसभा चुनाव के बाद से बीजेपी अपनी सरकार बनाने के लिए कांग्रेस और आप के विधायकों को खरीदने की कोशिश कर रही है। सिसौदिया का दावा है कि शेर सिंह डागर और उनके साथी रघुवीर दहिया की पूरी करतूत को आम आदमी पार्टी ने खुफिया कैमरे में कैद कर लिया है। ये पूरी बातचीत शेर सिंह डागर के साउथ एक्सटेंशन स्थित उनके घर में रिकॉर्ड की गई है। दिल्ली प्रदेश बीजेपी उपाध्यक्ष शेर सिंह डागर महारौली विधानसभा से उम्मीदवार भी रह चुके हैं। सिसौदिया के मुताबिक, 'डागर ने बताया कि बीजेपी विधायकों से इस्तीफा दिलवाकर सदन में मौजूद विधायकों की संख्या कम कर अपना बहुमत साबित करना चाह रही है। डागर ने न केवल दिनेश मोहनिया को 4 करोड़ रुपये देने का वायदा किया बल्कि ये पैसा उनकी बताई जगह पर डिलीवर कराने का भरोसा भी दिलाया। डागर ने बार-बार मोहनिया की पार्टी हाई कमान से मुलाकात करवाने की भी बात की। BJP नेता की सफाई हालांकि, डागर ने कहा है कि उनपर लगे आरोप झूठे हैं। डागर ने कहा, 'आप के विधायक तीसरी बार मेरे पास आए थे। उन्होंने कहा था कि वो बीजेपी में शामिल होना चाहते हैं। मैंने उन्हें साफ कह दिया था कि पार्टी में शामिल कराने का फैसला हाई कमान का काम है। उनका असली मकसद मुझे नहीं पता, शायद वो अपनी पार्टी के लिए कुछ मसाला ढूंढने आए थे।' डागर ने अपनी सफाई में कहा, 'मैंने कभी कोई अनैतिक काम नहीं किया है। पार्टी

LIVE BLOG- उल्टी गिनती शुरू, कुछ ही मिनटों में लॉन्च होगा new iphone 6 (Flint Center के बाहर iphone 6 के इंतजार में खड़े लोग) iphone 6 की लॉन्चिंग की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। उम्मीद की जा रही है कि new iphone 6 कई खूबियों के साथ मार्केट में आएगा। 09.37- apple inc के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट Phil Schiller ने कहा कि करीब करीब समय हो चुका है। 08.41pm- एक वेबसाइट के मुताबिक दुनिया में सबसे पहले 4 आस्ट्रेलियाई व्यक्तियों को iphone 6 खरीदने का मौका मिलेगा। 08.30 pm- लॉन्च से कुछ ही समय पहले 7 मिनट का वीडियो लीक हुआ जिसमें iphone 6 के बारे में जानकारी दी गई। हालांकि अब वीडियो को हटा लिया गया है। J&K बाढ़: 61 विमान-हेलिकॉप्टर और 248 वोट से अब तक बर्ची 42 हजार जानें गोविंद चौहान | Sep 09, 2014, 17:11PM IST शरीनगर. सेना की तरफ से दोपहर दो बजे के बाद दी गई जानकारी के अनुसार अभी तक सेना तथा एनडीआरएफ ने 42 हजार 587 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला है। 72 हजार से अधिक कंबल दिए गए हैं। 210 टेंट, 42 हजार लीटर पानी, 600 किलो बिस्किट, सात टन बेबी फूड, एक हजार फूड पैकेट दिए गए हैं, जिससे बाढ़ में फंसे लोगों को राहत मिली है। बताया गया है कि 61 एयरक्राफ्ट और हेलिकॉप्टर ऑपरेशन में लगे हुए हैं, जो करीब पांच सौ टन रिलीफ का सामान गिरा चुके हैं। बाढ़ में फंसे लोगों को निकालने के लिए सेना की 110 तथा एनडीआरएफ की 148 बोट लगी हुई हैं। इसके अलावा 80 मेडिकल टीमों तैनात हैं, जो बाढ़ में फंसे लोगों की देखभाल कर रही हैं। हजारों लोगों का मेडिकल कैंप लगाकर इलाज किया गया है। (यह भी पढ़ें- सेना ने नॉर्थ कश्मीर में फंसे सात विदेशियों को बचाया) दूसरी तरफ बीएसएनएल अपनी सविर्स को सेटलाइट के माध्यम से चलाने के लिए सेना के साथ लगा हुआ है। इंजीनियरों की मदद से मोबाइल नेटवर्क सुधारने के पर्यास किए जा रहे हैं। (यह भी पढ़ें- हाइवे पर फंसे हैं डेढ़ हजार ट्रक, मनाली के रास्ते शरीनगर आएगी सप्लाई) राहत पहुंचाने के लिए विमानों ने भरी 30 उड़ानें अधिकारियों ने कहा कि कश्मीर घाटी में सघन राहत एवं बचाव अभियान जारी है। वहां ज्यादा हेलिकॉप्टर, नौकाएं आदि काम में लगाई गई हैं। आईएल 76 और एएन 32 विमानों ने राहत कमियों, राहत सामग्री, नौकाएं और अन्य उपकरण तथा भारी मात्रा में दवाएं और पानी की बोतलें पहुंचाने के

लिए रात में शरीनगर के लिए 30 उड़ानें भरीं। राहत पर्यासों के बारे में सेना के लेफ्टिनेंट चेतन ने कहा कि हम प्रति नौका एक फेरी में करीब 10-15 लोगों को बचा रहे हैं। हर रोज हम 50-60 फेरी लगाते हैं। लोगों को बचाने के लिए हमारे पास सभी उपकरण हैं। हम हर एक को बचाने के बाद ही जाएंगे। सेना के मेडिकल कैंप में हर रोज 230 से 300 लोगों का इलाज कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पास एंबुलेंस और सजरन हैं। जिला अस्पताल और एनजीओ भी हमारे साथ काम कर रहे हैं। सुजुकी ने लॉन्च की 150cc की गिक्सर बाइक, कीमत 72199 रुपए नई दिल्ली : सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया ने युवाओं की पसंद को ध्यान में रखकर 150 सीसी की मोटरसाइकिल गिक्सर लॉन्च की। दिल्ली शो-रूम में इसकी कीमत 72,199 रुपए है। कंपनी ने अगले तीन साल में युवाओं के बीच लोकप्रिय होने के साथ देश की 3 सबसे बड़ी दोपहिया वाहन कंपनियों में शामिल होने का लक्ष्य रखा है। कंपनी के कार्यकारी वरिष्ठ उपाध्यक्ष (बिक्री एवं विपणन) अतुल गुप्ता ने यहां संवाददाताओं से कहा, युवाओं के लिए मोटरसाइकिल बनाने के खंड में यह हमारा पहला साल है। स्कूटर के अलावा कंपनी की यह मोटरसाइकिल गिक्सर, बाजार में कंपनी की स्थिति बदल देगी। उन्होंने बताया कि कंपनी ने इस मोटरसाइकिल को पेश करने के शुरुआती छह माह में करीब 50,000 मोटरसाइकिलें बेचने का लक्ष्य निर्धारित किया है। गुप्ता ने बताया कि देश में एक माह के दौरान 150 सीसी की करीब 70,000 मोटरसाइकिलें बिकती हैं। कंपनी की निगाह इस खंड की 10 फीसद बाजार हिस्सेदारी हासिल करने पर है। सप्ताह के वर्त-त्यौहार [6 सितंबर से 12 सितंबर तक] 6 सितंबर- एकादशी वर्त (निम्बाकर), शनि-पर्दोष वर्त, वामन द्वादशी वर्त, वामनावतार जयन्ती, भुवनेश्वरी महाविद्या जयन्ती, इन्द्रपूजा परारम्भ (मिथिलांचल), शर्वण-द्वादशी वर्त, श्यामबाबा द्वादशी, ओणम् (द.भा.) 7 सितंबर- महारविवार वर्त, मटकी फोड लीला (बरसाना), वितस्ता त्रयोदशी (जम्मू-कश्मीर), गोतिररात्र वर्त परारम्भ, रत्नतर्य वर्त 3 दिन, (दिग.जैन) 8 सितंबर- अनन्तचतुर्दशी वर्त, शरी गणेशोत्सव पूणर् (महाराष्ट्र), पूणिर्मा वर्त, शरीसत्यनारायण पूजा-कथा, महालया परारम्भ-पूणिर्मा का शराद्ध, लोकपाल पूजा, नान्दीमातामह शराद्ध, विश्व साक्षरता दिवस, इन्दर-गोविन्द पूजा (उड़ीसा), रामलीला परा. (रामनगर), अथर्ववेदी शरावणी। 9 सितंबर- स्नान-दान की पूवार

भादर्पदनक्षतर्युता भादर्पदी पूणिर्मा, शरीमद्भागवत सप्ताह पूणर्, आशिर्वन में चातुमारस के वर्ती दूध न पिएं, पितृपक्ष परारम्भ-परतिपदा (परीवा) का शराद्ध, तपरण परारम्भ, गोतिर्रातर पूणर्, अम्बामाता का मेला (गुज.), षोडशकारण वर्त पूणर् एवं क्षमावाणी (दिग.जैन) 10 सितंबर-द्वितीया (दूज) का शराद्ध, अशून्यशयन वर्त, फसली सन् 1424 शूरू, व्यतिपात महापात सायं 6.54 से रातिर् 12.13 बजे तक 11 सितंबर- तृतीया (तीज) का शराद्ध, ललिता-दशरनयातरा (काशी), संत विनोबा भावे जयंती, भूदान दिवस, महादेवी वमार स्मृतिदिवस। 12 सितंबर- चतुथीर् (चौथ) का शराद्ध, संकष्टी शरीगणेशचतुथीर् वर्त, शरीएकदन्त चतुथीर् वर्त (मिथिलांचल) 30 अगस्त: ऋषि पंचमी वर्त, जैन संवत्सरी (पंचमी पक्ष), दशलक्षण वर्त 10 दिन एवं पुष्पांजलि वर्त 5 दिन (दिग. जैन), गुरुपंचमी उड़ीसा, रक्षा पंचमी (बंगाल)। 31 अगस्त: सूर्यषष्ठी वर्त, मंथन षष्ठी (बंगाल), ललिता षष्ठी, बलदेव छठ (बर्ज), चंदन षष्ठी (जैन)। 1 सितंबर: संतान सप्तमी वर्त, ललिता सप्तमी (बंगाल-उड़ीसा), शरीगुरुग्रन्थ साहिब का परकाशोत्सव (सिख)। 2 सितंबर: शरीराधाष्टमी वर्तोत्सव (बरसाना), स्वामी हरिदास जयंती (वृंदावन), शरीदुगारष्टमी वर्त, शरीअन्नपूणारष्टमी वर्त, निःशल्य अष्टमी (दिग. जैन), दुबली आठम (श्वे. जैन)। 3 सितंबर: नंदा नवमी, अदुख नवमी, शरीचंद्र जयंती (उदासीन संप्रदाय) शरीमद्भागवत सप्ताह परारंभ। 4 सितंबर: शरीरामदेव पीर नवरातर पूणर्, दशावतार वर्त, सुगंध धूप दशमी (जैन), दादाभाई नौरोजी जयंती। 5 सितंबर: शिक्षक दिवस, मदर टेरेसा स्मृति दिवस, अनंत वर्त परारंभ (दिग. जैन), पद्या एकादशी वर्त, पाशर्वर् परिवतरनी एकादशी, जलझूलनी एकादशी, ढोल ग्यारस (म.पर.), कमार्-धमार् एकादशी (बिहार-झारखंड)। [संध्या टंडन] At Gorakhpur, he developed a friendship with the bookseller Buddhi Lal, who allowed him to borrow novels for reading, in exchange for selling exam cram books at the school. Premchand was an enthusiastic reader of classics in other languages, and translated several of these works in Hindi. इसी समय एक बिसाती आकर झूले के पास खड़ा हो गया। उसे देखते ही झूला बंद हो गया। छोटी-बड़ी सबों ने आकर उसे घेर लिया। बिसाती ने अपना संदूक खोला और चमकती-दमकती

चीजें निकालकर दिखाने लगा। कच्चे मोतियों के गहने थे, कच्चे लैस और गोटे, रंगीन मोजे, खूबसूरत गुडियां और गुडियों के गहने, बच्चों के लट्टू और झुनझुने। किसी ने कोई चीज ली, किसी ने कोई चीज। एक बड़ी-बड़ी आंखों वाली बालिका ने वह चीज पसंद की, जो उन चमकती हुई चीजों में सबसे सुंदर थी। वह गिरोजी रंग का एक चन्द्रहार था। मां से बोली--अम्मां, मैं यह हार लूंगी। मां ने बिसाती से पूछा--बाबा, यह हार कितने का है - बिसाती ने हार को रूमाल से पोंछते हुए कहा- खरीद तो बीस आने की है, मालकिन जो चाहें दें। माता ने कहा-यह तो बड़ा महंगा है। चार दिन में इसकी चमक-दमक जाती रहेगी। बिसाती ने मामिर्क भाव से सिर हिलाकर कहा--बहूजी, चार दिन में तो बिटिया को असली चन्द्रहार मिल जाएगा! By 1919, Premchand had published four novellas, of about a hundred pages each. In 1919, Premchand's first major novel Seva Sadan was published in Hindi. भारत के आक्रामक बल्लेबाज विराट कोहली आइसीसी टी-२० रैंकिंग में अपने करियर में पहली बार दुनिया के नंबर वन बल्लेबाज बन गए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम में खेले गए टी-२० मुकाबले में उन्होंने 41 गेंदों में 66 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली थी जिसका उन्हें फायदा हुआ और वो 897 अंक के साथ टी-२० रैंकिंग में उन्होंने नंबर वन की पोजिशन हासिल कर ली। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के एरोन फिंच इन नंबर पर मौजूद थे।

-- base --

पपकपवपवकवव
 पपखपवपवखवव
 पपगपवपवगवव
 पपघपवपवघवव
 पपङपवपवङवव
 पपचपवपवचवव
 पपछपवपवछवव
 पपजपवपवजवव
 पपझपवपवझवव
 पपञपवपवञवव
 पपटपवपवटवव
 पपठपवपवठवव
 पपडपवपवडवव
 पपढपवपवढवव
 पपणपवपवणवव
 पपतपवपवतवव
 पपथपवपवथवव
 पपदपवपवदवव
 पपधपवपवधवव
 पपनपवपवनवव
 पपपपवपवपवव
 पपफपवपवफवव
 पपबपवपवबवव
 पपभपवपवभवव
 पपमपवपवमवव
 पपयपवपवयवव
 पपरपवपवरवव

पपलपवपवलवव
 पपवपवपवववव
 पपशपवपवशवव
 पपषपवपवषवव
 पपसपवपवसवव
 पपहपवपवहवव
 पपळपवपवळवव
 पपअपवपवअवव
 पपओपवपवओवव
 पपऑपवपवऑवव
 पपइपवपवइवव
 पपईपवपवईवव
 पपउपवपवउवव
 पपऊपवपवऊवव
 पपएपवपवएवव
 पपऐपवपवऐवव
 पपँपवपवँवव
 पपैपवपवैवव
 पपआपवपवआवव
 पपओपवपवओवव
 पपऔपवपवऔवव
 पपक्रपवपवक्रवव
 पपृपवपवपृवव
 पपलृपवपवलृवव
 पपक्षपवपवक्षवव

पपज्ञपवपवज्ञवव
 पपलपवपवलवव
 पपशपवपवशवव
 -- nukta --
 पपक्कपवपवक्कवव
 पपखपवपवखवव
 पपगपवपवगवव
 पपजपवपवजवव
 पपङपवपवङवव
 पपढपवपवढवव
 पपफपवपवफवव
 पपयपवपवयवव
 पपगुपवपवगुवव
 पपञ्जपवपवञ्जवव
 पपडुपवपवडुवव
 पपबुपवपवबुवव
 पपऔपवपवऔवव
 पपअपवपवअवव
 पपआपवपवआवव
 पप_पवपव_वव
 पपईपवपवईवव
 पपउपवपवउवव
 पपऊपवपवऊवव
 पपक्रपवपवक्रवव
 पपलृपवपवलृवव
 पपँपवपवँवव
 पपैपवपवैवव
 पपएपवपवएवव

पपऐपवपवऐवव
 पपऑपवपवऑवव
 पपऔपवपवऔवव
 पपऔपवपवऔवव
 पपक्रपवपवक्रवव
 पपलृपवपवलृवव
 पपऑपवपवऑवव
 पपघपवपवघवव
 पपङपवपवङवव
 पपचपवपवचवव
 पपछपवपवछवव
 पपझपवपवझवव
 पपञपवपवञवव
 पपटपवपवटवव
 पपठपवपवठवव
 पपणपवपवणवव
 पपतपवपवतवव
 पपथपवपवथवव
 पपदपवपवदवव
 पपधपवपवधवव
 पपप्रपवपवप्रवव
 पपब्रपवपवब्रवव
 पपभपवपवभवव
 पपमपवपवमवव
 पपलपवपवलवव
 पपवपवपवववव
 पपशपवपवशवव

पपषपवपवषवव
 पपसपवपवसवव
 पपहपवपवहवव

pg 9/24

-- collisions --

पपैँपँपवपवैँवैव
पपैँपैपवपवैँवैव
पपैँपँपवपवैँवैव

पपैप पवपवैव व
पपैपीपवपवैवीव
पपैपीपवपवैवीव
पपैपेपवपवैवेव
पपैपेपवपवैवेव

पवप पवद वह पव
पवप. पवद. वह. पव
पवप, पवद, वह, पव
पवप! पवद! वह! पव
पवप? पवद? वह? पव
पवप। पवद। वह पव
पवप॥ पवद॥ वह पव
पवप “पवद” वह पव

pg 11/24

| | | | | | | | |
|-------------|-------------|--------------|--------------|---------------|---------------|---------------|--------------|
| पपपइनववव | पपपञ्ढववव | पपपणजववव | पपपत्खववव | पपपत्शववव | पपपश्भववव | पपपध्दववव | पपपन्ठववव |
| पपपइप्पववव | पपपञ्णववव | पपपणझववव | पपपत्गववव | पपपत्षववव | पपपश्मववव | पपपध्धववव | पपपन्डववव |
| पपपइफ्फववव | पपपञ्त्तववव | पपपणञववव | पपपत्घववव | पपपत्सववव | पपपत्थ्यववव | पपपध्न्वववव | पपपन्ढववव |
| पपपइब्बववव | पपपञ्थ्यववव | पपपण्ठववव | पपपत्ङ्गववव | पपपत्हववव | पपपत्थलववव | पपपध्मववव | पपपण्णववव |
| पपपइभववव | पपपञ्दववव | पपपण्ठववव | पपपत्त्वववव | | पपपत्थळववव | पपपध्फववव | पपपन्तववव |
| पपपइमववव | पपपञ्धववव | पपपण्डववव | पपपत्छववव | पपपत्थक्कववव | पपपत्थ्वववव | पपपध्बववव | पपपन्थववव |
| पपपइय्यववव | पपपञ्जववव | पपपण्ढववव | पपपत्ज्जववव | पपपत्थ्खववव | पपपत्थ्शववव | पपपध्भववव | पपपन्दववव |
| पपपइल्लववव | पपपञ्मववव | पपपण्णववव | पपपत्झववव | पपपत्थाववव | पपपत्थ्श्वववव | पपपध्मववव | पपपन्धववव |
| पपपइळववव | पपपञ्फववव | पपपण्तववव | पपपत्ञववव | पपपत्थ्यववव | पपपत्थ्सववव | पपपध्ध्यववव | पपपन्नववव |
| पपपइवववव | पपपञ्बववव | पपपण्थ्यववव | पपपत्तववव | पपपत्थ्ङ्गववव | पपपत्थ्हववव | पपपध्धलववव | पपपन्पववव |
| पपपइशववव | पपपञ्भववव | पपपण्दववव | पपपत्तववव | पपपत्थ्चववव | | पपपध्ळववव | पपपन्फववव |
| पपपइष्शववव | पपपञ्मववव | पपपण्धववव | पपपत्डववव | पपपत्थ्छववव | पपपध्क्कववव | पपपध्ध्वववव | पपपन्बववव |
| पपपइस्सववव | पपपञ्ज्यववव | पपपण्णववव | पपपत्ढववव | पपपत्थ्ज्जववव | पपपध्खववव | पपपध्शववव | पपपन्भववव |
| पपपइह्वववव | पपपञ्ल्लववव | पपपण्णववव | पपपत्णववव | पपपत्थ्झववव | पपपध्धाववव | पपपध्ध्वववव | पपपन्मववव |
| | पपपञ्ळववव | पपपण्फववव | पपपत्तववव | पपपत्थ्ज्जववव | पपपध्धववव | पपपध्ध्सववव | पपपन्ध्वववव |
| पपपञ्क्कववव | पपपञ्ज्वववव | पपपण्बववव | पपपत्थ्यववव | पपपत्थ्ज्जववव | पपपध्ङ्गववव | पपपध्ध्वववव | पपपन्ल्लववव |
| पपपञ्खववव | पपपञ्शववव | पपपण्भववव | पपपत्दववव | पपपत्थ्ज्जववव | पपपध्चववव | | पपपन्ळववव |
| पपपञ्गाववव | पपपञ्श्वववव | पपपण्मववव | पपपत्थ्यववव | पपपत्थ्ङ्गववव | पपपध्छववव | पपपन्क्कववव | पपपन्वववव |
| पपपञ्घववव | पपपञ्स्सववव | पपपण्ण्यववव | पपपत्तववव | पपपत्थ्ङ्गववव | पपपध्ज्जववव | पपपन्खववव | पपपन्शववव |
| पपपञ्ङ्गववव | पपपञ्ह्वववव | पपपण्णल्लववव | पपपत्पववव | पपपत्थ्णाववव | पपपध्झववव | पपपण्णववव | पपपन्श्वववव |
| पपपञ्चववव | | पपपण्ळववव | पपपत्फववव | पपपत्थ्त्तववव | पपपध्ज्जववव | पपपण्ण्यववव | पपपन्स्सववव |
| पपपञ्छववव | पपपण्क्कववव | पपपण्णववव | पपपत्त्वववव | पपपत्थ्यववव | पपपध्त्तववव | पपपण्ण्डववव | पपपण्ण्हववव |
| पपपञ्ज्जववव | पपपण्णखववव | पपपण्णशववव | पपपत्भववव | पपपत्थ्दववव | पपपध्ठववव | पपपण्ण्वववव | |
| पपपञ्झववव | पपपण्णगववव | पपपण्णष्वववव | पपपत्तमववव | पपपत्थ्ध्वववव | पपपध्ङ्गववव | पपपण्ण्ठववव | पपपण्णक्कववव |
| पपपञ्ज्जववव | पपपण्णघववव | पपपण्णस्सववव | पपपत्तय्यववव | पपपत्थ्न्वववव | पपपध्ढववव | पपपण्ण्ज्जववव | पपपण्ण्खववव |
| पपपञ्ज्जववव | पपपण्ण्डववव | पपपण्णह्वववव | पपपत्तल्लववव | पपपत्थ्मववव | पपपण्ण्णाववव | पपपण्ण्झववव | पपपण्ण्णाववव |
| पपपञ्ज्जववव | पपपण्णचववव | | पपपत्तळववव | पपपत्थ्फववव | पपपण्ण्धववव | पपपण्ण्णववव | पपपण्ण्णववव |
| पपपञ्ज्जववव | पपपण्ण्छववव | पपपत्तक्कववव | पपपत्तववव | पपपत्थ्बववव | पपपण्ण्ध्वववव | पपपण्ण्णववव | पपपण्ण्णववव |

| | | | | | | | |
|------------|------------|------------|-------------|------------|------------|------------|------------|
| पपपच्चववव | | पपपफळववव | पपपफ्रववव | पपपभ्तववव | पपपम्भववव | पपपयघववव | पपपय्सववव |
| पपपच्छववव | पपपफकववव | पपपफवववव | पपपब्बववव | पपपभ्थववव | पपपम्टववव | पपपयङ्गववव | पपपयह्ववव |
| पपपप्जववव | पपपफखववव | पपपफशववव | पपपभ्वववव | पपपभ्दववव | पपपमठववव | पपपयचववव | |
| पपपप्झववव | पपपफगववव | पपपफषववव | पपपभ्वववव | पपपभ्धववव | पपपमडववव | पपपयछववव | पपपक्कववव |
| पपपप्भववव | पपपफघववव | पपपफस्ववव | पपपब्यववव | पपपभ्नववव | पपपमढववव | पपपयज्जववव | पपपयखववव |
| पपपप्टववव | पपपफङ्गववव | पपपफह्ववव | पपपब्लववव | पपपभ्मववव | पपपमणाववव | पपपयझववव | पपपगववव |
| पपपपठववव | पपपफचववव | | पपपब्लववव | पपपभ्फववव | पपपमत्तववव | पपपयञ्जववव | पपपयधववव |
| पपपपडववव | पपपफछववव | पपपब्लववव | पपपब्वववव | पपपभ्भववव | पपपमथववव | पपपयटववव | पपपयङ्गववव |
| पपपपढववव | पपपफजववव | पपपबखववव | पपपबशववव | पपपभ्भववव | पपपमदववव | पपपयठववव | पपपयचववव |
| पपपपणाववव | पपपफझववव | पपपबाववव | पपपबषववव | पपपभ्मववव | पपपमधववव | पपपयङ्गववव | पपपयछववव |
| पपपपत्तववव | पपपफञ्जववव | पपपबधववव | पपपबस्ववव | पपपभ्यववव | पपपमन्ववव | पपपयढववव | पपपयज्जववव |
| पपपपथववव | पपपफटववव | पपपबङ्गववव | पपपबह्ववव | पपपभ्लववव | पपपम्ववव | पपपयणाववव | पपपयझववव |
| पपपपद्ववव | पपपफठववव | पपपब्वववव | | पपपभ्लववव | पपपम्ववव | पपपयत्तववव | पपपयञ्जववव |
| पपपपध्ववव | पपपफङ्गववव | पपपब्वववव | पपपभ्कववव | पपपभ्वववव | पपपम्ववव | पपपयथववव | पपपयटववव |
| पपपपन्नववव | पपपफढववव | पपपबज्जववव | पपपभ्खववव | पपपभ्शववव | पपपमभ्ववव | पपपयद्ववव | पपपयठववव |
| पपपप्यववव | पपपफणववव | पपपबझववव | पपपभाववव | पपपभ्षववव | पपपम्ववव | पपपयध्ववव | पपपयङ्गववव |
| पपपपफववव | पपपफत्तववव | पपपबञ्जववव | पपपभ्धववव | पपपभ्सववव | पपपम्यववव | पपपयन्ववव | पपपयढववव |
| पपपप्वववव | पपपफथववव | पपपबटववव | पपपभ्ङ्गववव | पपपभ्हववव | पपपम्लववव | पपपय्यववव | पपपयणाववव |
| पपपपभ्ववव | पपपफद्ववव | पपपबठववव | पपपभ्चववव | | पपपम्लववव | पपपयफ्ववव | पपपयत्तववव |
| पपपपम्भववव | पपपफध्ववव | पपपबडववव | पपपभ्छववव | पपपम्ववव | पपपम्ववव | पपपयव्ववव | पपपयथववव |
| पपपप्यववव | पपपफन्नववव | पपपबडववव | पपपभ्जववव | पपपम्ववव | पपपमशववव | पपपयभ्ववव | पपपयद्ववव |
| पपपप्लववव | पपपफप्पववव | पपपबणाववव | पपपभ्झववव | पपपमाववव | पपपमषववव | पपपय्यववव | पपपयध्ववव |
| पपपपळववव | पपपफफववव | पपपबत्तववव | पपपभ्भववव | पपपमध्ववव | पपपमस्ववव | पपपय्यववव | पपपयन्नववव |
| पपपप्वववव | पपपफव्ववव | पपपबथववव | पपपभ्ठववव | पपपमङ्गववव | पपपमह्ववव | पपपयल्लववव | पपपय्यववव |
| पपपपशववव | पपपफभ्ववव | पपपबद्ववव | पपपभ्ठववव | पपपमचववव | | पपपयळववव | पपपयफ्ववव |
| पपपपषववव | पपपफम्मववव | पपपबध्ववव | पपपभ्ङ्गववव | पपपमछववव | पपपयक्कववव | पपपयव्ववव | पपपयव्ववव |
| पपपपस्ववव | पपपफय्यववव | पपपबन्नववव | पपपभ्ढववव | पपपमज्जववव | पपपयखववव | पपपयशववव | पपपयभ्ववव |
| पपपपह्ववव | पपपफल्लववव | पपपब्यववव | पपपभ्णाववव | पपपमझववव | पपपयाववव | पपपयषववव | पपपयम्मववव |

pg 14/24

| | | | | | | | |
|------------|-------------|-------------|-----------|------------|------------|---------------|-------------|
| पपपहठववव | पपपक्षचववव | | पपपञ्जववव | पपपहफववव | पपपश्तववव | पपपश्जववव | पपपक्राववव |
| पपपहडववव | पपपक्षववव | पपपञ्कववव | पपपञ्जववव | पपपहबववव | पपपश्थववव | पपपश्ठववव | पपपक्रधववव |
| पपपहढववव | पपपक्षजववव | पपपञ्खववव | पपपञ्शववव | पपपहभववव | पपपश्दववव | पपपश्ठववव | पपपक्रडववव |
| पपपहणववव | पपपक्षझववव | पपपञ्गाववव | पपपञ्षववव | पपपहमववव | पपपश्धववव | पपपश्डववव | पपपक्रचववव |
| पपपहतववव | पपपक्षञववव | पपपञ्घववव | पपपञ्सववव | पपपहयववव | पपपश्नववव | पपपश्ढववव | पपपक्रछववव |
| पपपहथववव | पपपक्षटववव | पपपञ्ङववव | पपपञ्हववव | पपपहलववव | पपपश्पववव | पपपश्णाववव | पपपक्रजववव |
| पपपहदववव | पपपक्षठववव | पपपञ्चववव | | पपपहळववव | पपपश्फववव | पपपश्तववव | पपपक्रझववव |
| पपपहधववव | पपपक्षडववव | पपपञ्छववव | पपपहकववव | पपपहवववव | पपपश्बववव | पपपश्थववव | पपपक्रञववव |
| पपपहनववव | पपपक्षढववव | पपपञ्जववव | पपपहखववव | पपपहशववव | पपपश्भववव | पपपश्दववव | पपपक्रटववव |
| पपपहपववव | पपपक्षणाववव | पपपञ्झाववव | पपपहगाववव | पपपहषववव | पपपश्मववव | पपपश्धववव | पपपक्रठववव |
| पपपहफववव | पपपक्षतववव | पपपञ्जववव | पपपहघववव | पपपहसववव | पपपश्यववव | पपपश्नववव | पपपक्रडववव |
| पपपहबववव | पपपक्षथववव | पपपञ्ठववव | पपपहङववव | पपपहहववव | पपपश्लववव | पपपश्पववव | पपपक्रढववव |
| पपपहभववव | पपपक्षदववव | पपपञ्ठववव | पपपहचववव | | पपपश्ळववव | पपपश्फववव | पपपक्रणाववव |
| पपपहमववव | पपपक्षधववव | पपपञ्ङववव | पपपहछववव | पपपश्कववव | पपपश्वववव | पपपश्बववव | पपपक्रतववव |
| पपपहयववव | पपपक्षनववव | पपपञ्ढववव | पपपहजववव | पपपश्खववव | पपपश्शववव | पपपश्भववव | पपपक्रथववव |
| पपपहलववव | पपपक्षपववव | पपपञ्णाववव | पपपहझाववव | पपपश्गाववव | पपपश्षववव | पपपश्मववव | पपपक्रदववव |
| पपपहळववव | पपपक्षफववव | पपपञ्जववव | पपपहञववव | पपपश्घववव | पपपश्सववव | पपपश्यववव | पपपक्रधववव |
| पपपहवववव | पपपक्षबववव | पपपञ्थववव | पपपहटववव | पपपश्ङववव | पपपश्हववव | पपपश्लववव | पपपक्रनववव |
| पपपहशववव | पपपक्षभववव | पपपञ्दववव | पपपहठववव | पपपश्चववव | | पपपश्ळववव | पपपक्रपववव |
| पपपहषववव | पपपक्षमववव | पपपञ्धववव | पपपहडववव | पपपश्छववव | पपपश्कववव | पपपश्वववव | पपपक्रफववव |
| पपपहसववव | पपपक्षयववव | पपपञ्जववव | पपपहढववव | पपपश्जववव | पपपश्खववव | पपपश्शववव | पपपक्रबववव |
| पपपहहववव | पपपक्षलववव | पपपञ्पववव | पपपहणाववव | पपपश्झाववव | पपपश्गाववव | पपपश्षववव | पपपक्रभववव |
| | पपपक्षळववव | पपपञ्फववव | पपपहतववव | पपपश्ञववव | पपपश्घववव | पपपश्सववव | पपपक्रमववव |
| पपपक्षकववव | पपपक्षवववव | पपपञ्बववव | पपपहथववव | पपपश्टववव | पपपश्ङववव | पपपश्हववव | पपपक्रयववव |
| पपपक्षखववव | पपपक्षशववव | पपपञ्भववव | पपपहदववव | पपपश्ठववव | पपपश्चववव | | पपपक्रलववव |
| पपपक्षाववव | पपपक्षषववव | पपपञ्मववव | पपपहधववव | पपपश्डववव | पपपश्छववव | --rakarhalf-- | पपपक्रळववव |
| पपपक्षघववव | पपपक्षसववव | पपपञ्ज्यववव | पपपहनववव | पपपश्ढववव | पपपश्जववव | पपपक्रकववव | पपपक्रवववव |
| पपपक्षङववव | पपपक्षहववव | पपपञ्जलववव | पपपहमववव | पपपश्णाववव | पपपश्झाववव | पपपक्रखववव | पपपक्रशववव |

pg 16/24

pg 17/24

pg 18/24

pg 19/24

--kerns?--

| | | | | | | | |
|-----------|------------|-----------|------------|------------|------------|-----------|------------|
| पपपकअववव | पपपकबववव | पपपइअववव | पपपइबववव | पपपउइववव | पपपउभववव | पपपऊउववव | पपपऊमववव |
| पपपकइववव | पपपकभववव | पपपइइववव | पपपइभववव | पपपउउववव | पपपउमववव | पपपऊऋववव | पपपऊयववव |
| पपपकउववव | पपपकभववव | पपपइउववव | पपपइमववव | पपपउऋववव | पपपउयववव | पपपऊलृववव | पपपऊलववव |
| पपपकऋववव | पपपकमववव | पपपइऋववव | पपपइयववव | पपपउलृववव | पपपउलववव | पपपऊएववव | पपपऊळववव |
| पपपकलृववव | पपपकयववव | पपपइलृववव | पपपइलववव | पपपउएववव | पपपउळववव | पपपऊकववव | पपपऊवववव |
| पपपकएववव | पपपकलववव | पपपइएववव | पपपइळववव | पपपउउववव | पपपउवववव | पपपऊखववव | पपपऊशववव |
| पपपककववव | पपपकळववव | पपपइकववव | पपपइवववव | पपपउखववव | पपपउशववव | पपपऊगववव | पपपऊषववव |
| पपपकखववव | पपपकवववव | पपपइखववव | पपपइशववव | पपपउगववव | पपपउषववव | पपपऊघववव | पपपऊसववव |
| पपपकगववव | पपपकशववव | पपपइगववव | पपपइषववव | पपपउघववव | पपपउसववव | पपपऊङववव | पपपऊहववव |
| पपपकघववव | पपपकषववव | पपपइघववव | पपपइसववव | पपपउङववव | पपपउहववव | पपपऊचववव | पपपऊक्षववव |
| पपपकङववव | पपपकसववव | पपपइङववव | पपपइहववव | पपपउचववव | पपपउक्षववव | पपपऊछववव | पपपऊज्ञववव |
| पपपकचववव | पपपकहववव | पपपइचववव | पपपइक्षववव | पपपउछववव | पपपउज्ञववव | पपपऊजववव | पपपऊशववव |
| पपपकछववव | पपपकक्षववव | पपपइछववव | पपपइज्ञववव | पपपउजववव | पपपउशववव | पपपऊझववव | पपपऊलववव |
| पपपकजववव | पपपकज्ञववव | पपपइजववव | पपपइशववव | पपपउझववव | पपपउलववव | पपपऊञववव | पपपऊश्रववव |
| पपपकझववव | पपपकशववव | पपपइझववव | पपपइलववव | पपपउञववव | पपपउश्रववव | पपपऊटववव | पपपऊत्रववव |
| पपपकञववव | पपपकलववव | पपपइञववव | पपपइश्रववव | पपपउटववव | पपपउत्रववव | पपपऊठववव | पपपऊत्तववव |
| पपपकटववव | पपपकश्रववव | पपपइटववव | पपपइत्रववव | पपपउठववव | पपपउत्तववव | पपपऊडववव | पपपऊद्भववव |
| पपपकठववव | पपपकत्रववव | पपपइठववव | पपपइत्तववव | पपपउडववव | पपपउद्भववव | पपपऊढववव | पपपऊढ्ववव |
| पपपकडववव | पपपकतववव | पपपइडववव | पपपइद्धववव | पपपउढववव | पपपउद्धववव | पपपऊणववव | पपपऊद्भववव |
| पपपकढववव | पपपकडववव | पपपइढववव | पपपइद्धववव | पपपउणववव | पपपउद्धववव | पपपऊतववव | पपपऊद्भववव |
| पपपकणववव | पपपकढ्वववव | पपपइणववव | पपपइद्धववव | पपपउतववव | पपपउद्धववव | पपपऊथववव | पपपऊद्भववव |
| पपपकतववव | पपपकढ्वववव | पपपइतववव | पपपइद्धववव | पपपउथववव | पपपउद्भववव | पपपऊधववव | पपपऊद्भववव |
| पपपकथववव | पपपकढ्वववव | पपपइथववव | पपपइद्भववव | पपपउधववव | पपपउद्भववव | पपपऊनववव | पपपऊद्भववव |
| पपपकदववव | पपपकधववव | पपपइदववव | पपपइद्भववव | पपपउनववव | पपपउध्वववव | पपपऊनववव | पपपऊन्ववव |
| पपपकधववव | पपपकध्वववव | पपपइधववव | पपपइद्भववव | पपपउध्वववव | पपपउन्ववव | पपपऊपववव | --- |
| पपपकनववव | पपपकध्वववव | पपपइनववव | पपपइन्ववव | पपपउपववव | --- | पपपऊफववव | पपपऊअववव |
| पपपकपववव | पपपकन्ववव | पपपइपववव | --- | पपपउफववव | पपपऊअववव | पपपऊबववव | पपपऊइववव |
| | --- | पपपइफववव | पपपउअववव | पपपउबववव | पपपऊइववव | पपपऊभववव | पपपऊउववव |

pg 21/24

| | | | | | | | |
|------------|------------------|------------|------------------|------------|----------------|------------|----------------|
| પપપછગવવવ | પપપછષવવવ | પપપટઘવવવ | પપપટસવવવ | પપપઠઙવવવ | પપપઠહવવવ | પપપડચવવવ | પપપડક્ષવવવ |
| પપપછઘવવવ | પપપછસવવવ | પપપટઙવવવ | પપપટહવવવ | પપપઠચવવવ | પપપઠક્ષવવવ | પપપડછવવવ | પપપડજ્ઞવવવ |
| પપપછઙવવવ | પપપછહવવવ | પપપટચવવવ | પપપટક્ષવવવ | પપપઠછવવવ | પપપઠજ્ઞવવવ | પપપડજવવવ | પપપડશવવવ |
| પપપછચવવવ | પપપછક્ષવવવ | પપપટછવવવ | પપપટજ્ઞવવવ | પપપઠજવવવ | પપપઠશવવવ | પપપડઙ્ગવવવ | પપપડલવવવ |
| પપપછછવવવ | પપપછજ્ઞવવવ | પપપટજવવવ | પપપટશવવવ | પપપઠઙ્ગવવવ | પપપઠલવવવ | પપપડઞવવવ | પપપડશ્રવવવ |
| પપપછજવવવ | પપપછશવવવ | પપપટઙ્ગવવવ | પપપટલવવવ | પપપઠઞવવવ | પપપઠશ્રવવવ | પપપડટવવવ | પપપડત્રવવવ |
| પપપછઙ્ગવવવ | પપપછલવવવ | પપપટઞવવવ | પપપટશ્રવવવ | પપપઠટવવવ | પપપઠત્રવવવ | પપપડઠવવવ | પપપડત્તવવવ |
| પપપછઞવવવ | પપપછશ્રવવવ | પપપટટવવવ | પપપટત્રવવવ | પપપઠઠવવવ | પપપઠત્તવવવ | પપપડડવવવ | પપપડઢ્ઢવવવ |
| પપપછટવવવ | પપપછત્રવવવ | પપપટઠવવવ | પપપટત્તવવવ | પપપઠડવવવ | પપપઠઢ્ઢવવવ | પપપડઢવવવ | પપપડઢ્ઢવવવ |
| પપપછઠવવવ | પપપછત્તવવવ | પપપટડવવવ | પપપટઢ્ઢવવવ | પપપઠઢવવવ | પપપઠઢ્ઢવવવ | પપપડળવવવ | પપપડઢ્ઢ્ઢવવવ |
| પપપછડવવવ | પપપછઢ્ઢવવવ | પપપટઢવવવ | પપપટઢ્ઢ્ઢવવવ | પપપઠળવવવ | પપપઠઢ્ઢ્ઢવવવ | પપપડતવવવ | પપપડઢ્ઢ્ઢવવવ |
| પપપછઢવવવ | પપપછઢ્ઢ્ઢવવવ | પપપટળવવવ | પપપટઢ્ઢ્ઢ્ઢવવવ | પપપઠતવવવ | પપપઠઢ્ઢ્ઢ્ઢવવવ | પપપડથવવવ | પપપડઞ્ઞવવવ |
| પપપછળવવવ | પપપછઢ્ઢ્ઢ્ઢવવવ | પપપટતવવવ | પપપટઢ્ઢ્ઢ્ઢ્ઢવવવ | પપપઠથવવવ | પપપઠઞ્ઞવવવ | પપપડદવવવ | પપપડદ્દવવવ |
| પપપછતવવવ | પપપછઢ્ઢ્ઢ્ઢ્ઢવવવ | પપપટથવવવ | પપપટઞ્ઞવવવ | પપપઠદવવવ | પપપઠદ્દવવવ | પપપડધવવવ | પપપડઘવવવ |
| પપપછથવવવ | પપપછઞ્ઞવવવ | પપપટદવવવ | પપપટદ્દવવવ | પપપઠધવવવ | પપપઠઘવવવ | પપપડનવવવ | પપપડન્નવવવ --- |
| પપપછદવવવ | પપપછદ્દવવવ | પપપટધવવવ | પપપટઘવવવ | પપપઠનવવવ | પપપઠન્નવવવ | પપપડપવવવ | પપપઢઅવવવ |
| પપપછધવવવ | પપપછઘવવવ | પપપટનવવવ | પપપટન્નવવવ | પપપઠપવવવ | --- | પપપડફવવવ | પપપઢૈવવવ |
| પપપછનવવવ | પપપછન્નવવવ | પપપટપવવવ | --- | પપપઠફવવવ | પપપડઅવવવ | પપપડબવવવ | પપપઢઉવવવ |
| પપપછપવવવ | --- | પપપટફવવવ | પપપઠઅવવવ | પપપઠબવવવ | પપપડૈવવવ | પપપડભવવવ | પપપઢઋવવવ |
| પપપછફવવવ | પપપટઅવવવ | પપપટબવવવ | પપપઠૈવવવ | પપપઠભવવવ | પપપડઉવવવ | પપપડમવવવ | પપપઢૃવવવ |
| પપપછબવવવ | પપપટૈવવવ | પપપટભવવવ | પપપઠઉવવવ | પપપઠમવવવ | પપપડઋવવવ | પપપડયવવવ | પપપઢૅવવવ |
| પપપછભવવવ | પપપટઉવવવ | પપપટમવવવ | પપપઠઋવવવ | પપપઠયવવવ | પપપડૃવવવ | પપપડલવવવ | પપપઢકવવવ |
| પપપછમવવવ | પપપટઋવવવ | પપપટયવવવ | પપપઠૃવવવ | પપપઠલવવવ | પપપડૅવવવ | પપપડલ્લવવવ | પપપઢખવવવ |
| પપપછયવવવ | પપપટૃવવવ | પપપટલવવવ | પપપઠૅવવવ | પપપઠલ્લવવવ | પપપડકવવવ | પપપડવવવવ | પપપઢગવવવ |
| પપપછલવવવ | પપપટૅવવવ | પપપટલ્લવવવ | પપપઠકવવવ | પપપઠવવવવ | પપપડખવવવ | પપપડશવવવ | પપપઢઘવવવ |
| પપપછલ્લવવવ | પપપટકવવવ | પપપટવવવવ | પપપઠખવવવ | પપપઠશવવવ | પપપડગવવવ | પપપડષવવવ | પપપઢઙવવવ |
| પપપછવવવવ | પપપટખવવવ | પપપટશવવવ | પપપઠગવવવ | પપપઠષવવવ | પપપડઘવવવ | પપપડસવવવ | પપપઢચવવવ |
| પપપછશવવવ | પપપટગવવવ | પપપટષવવવ | પપપઠઘવવવ | પપપઠસવવવ | પપપડઙવવવ | પપપડહવવવ | પપપઢછવવવ |

pg 23/24

pg 24/24